

एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित 'व्यवसायिक सततता एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में श्री शैलेश श्रीवास्तव का विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधन



दिनांक 24 मार्च, 2026 को एमिटी बिजनेस स्कूल, अमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ परिसर द्वारा आयोजित “व्यवसायिक सततता एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता: एक स्मार्ट एवं हरित भविष्य का निर्माण” विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में श्री शैलेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ निदेशक (आईटी), राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

उद्घाटन सत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशिष्ट वक्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति भी रही, जिनमें नॉर्वे के यूनिवर्सिटी ऑफ एडर के प्रो. मोहन कैले, जिन्होंने भी अतिथि-विशेष के रूप में संबोधन दिया, तथा श्रीलंका के यूनिवर्सिटी ऑफ मोरातुवा के प्रो. एच. नाइल्स परेरा, जिन्होंने मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया, शामिल थे।

अपने संबोधन में श्री शैलेश श्रीवास्तव ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सतत व्यवसायिक प्रथाओं के अभिसरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एआई को केवल कार्यकुशलता बढ़ाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे समावेशन, उत्तरदायित्व और सततता के एक प्रभावी साधन के रूप में भी कार्य करना चाहिए। उन्होंने “सर्वजन



हिताय, सर्वजन सुखाय” के सिद्धांत के अनुरूप एआई के मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत सरकार की पहलों, विशेष रूप से *इंडियाएआई मिशन* का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एआई का उपयोग सतत विकास को बढ़ावा देने, सुशासन को सुदृढ़ करने तथा पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी विकास को सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तरदायी एवं नैतिक एआई अत्यंत आवश्यक है

तथा एआई प्रणालियों के डिजाइन एवं क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं निष्पक्षता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने विश्वसनीय एवं समावेशी एआई पारितंत्र के निर्माण हेतु शिक्षाविदों, उद्योग एवं नीति-निर्माताओं के मध्य सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी कहा कि मशीनों और एल्गोरिद्म में न तो चेतना होती है और न ही मूल्य, अतः यह सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है कि एआई का विकास एवं उपयोग नैतिक, समावेशी और सतत तरीके से किया जाए।

यह सम्मेलन एआई आधारित सततता पर विचार-विमर्श के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें ईएसजी रूपांतरण, हरित नवाचार, नैतिक एआई, परिपत्र अर्थव्यवस्था, स्मार्ट शहरों तथा सतत आपूर्ति श्रृंखलाओं जैसे विषयों को शामिल किया गया। इसमें शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्योग प्रतिनिधियों एवं नीति-निर्माताओं की सहभागिता रही।



Shri Shailesh Srivastava, Senior Director (IT), NIC, Delivers Guest of Honour Address at International Conference on Business Sustainability and Artificial Intelligence at Amity University, Lucknow



Shri Shailesh Srivastava, Senior Director (IT), National Informatics Centre (NIC), delivered the **Guest of Honour address** at the *International Conference on Business Sustainability and Artificial Intelligence: Building a Smarter, Greener Future*, organized by Amity Business School, Amity University Uttar Pradesh, Lucknow Campus on 24th March, 2026.

The inaugural session also witnessed the presence of distinguished international speakers, including Prof. Mohan Kalle from the University of Agder, Norway, who also addressed the gathering as Guest of Honour, and Prof. H. Niles Perera from the University of Moratuwa, Sri Lanka, who delivered the keynote address.

In his address, Shri Shailesh Srivastava highlighted the convergence of Artificial Intelligence (AI) and sustainable business practices, emphasizing that AI should not remain confined to enhancing efficiency alone but must also serve as a tool for **inclusion, responsibility, and sustainability**. He



underlined the need for adopting a **human-centric approach to AI**, aligned with the principle of “*Sarvajan Hitaya, Sarvajan Sukhaya.*”

Referring to initiatives of the Government of India, including the **IndiaAI Mission**, he stated that AI is being leveraged to enable sustainable growth, improve governance, and support environmentally responsible development. He further emphasized that **responsible and ethical AI is essential**, and called for ensuring transparency, accountability,

and fairness in the design and deployment of AI systems. He highlighted the importance of collaboration among academia, industry, and policymakers in building trustworthy and inclusive AI ecosystems, and that while machines and algorithms do not possess conscience or values, it is the responsibility of stakeholders to ensure that AI systems are developed and used in an **ethical, inclusive, and sustainable manner**.

The conference aimed to provide a platform for discussions on AI-driven sustainability, covering areas such as ESG transformation, green innovation, ethical AI, circular economy, smart cities, and sustainable supply chains, with participation from academicians, researchers, industry representatives, and policymakers.


